

M.D.S. COLLEGE OF EDUCATION



Near J.L.N. Canal, SH-22, Jhajjar Road,
Kosli (Rewari), Ph. : 01259-276241
Mob. 9416463977

**SKILL IN TEACHING
LESSON PLAN NOTE BOOK
FOR
B.Ed. Class**

Semester... *Second year*

Session - 2020 - 2022 -

Name of School National S.S. Sec. School.

From 01-02-2022 To 23-05-2022.

TIME - TABLE

Day	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
MON	Hindi	Drawing	S.S.	Eng.	MATH	SKT	Social Sci.	Sports
TUE	"	"	"	Comp.	"	"	"	S.S.
WED	"	"	"	"	S.S.	"	"	Sports
THU	"	"	"	S.S.	Drawing	"	"	Comp.
FRI	"	"	"	"	MATH.	"	"	Sports
SAT	Hindi	Drawing	S.S.	Eng.	MATH	SKT	S.S.	Sports

Signature

दैनिक पाठ योजना - 1

विद्यालय का नाम - National Sr. Sec. School Atala

कक्षा - नृम

विषय - डॉइश

कालांश :- रंगोली

दिन

दिनांक :- 07-02-22.

उद्देश्य

अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन

1) ज्ञानात्मक उद्देश्य

- (i) विद्यार्थी प्रकरण से सम्बन्धित तथ्यों का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
 (ii) विद्यार्थी प्रकरण से सम्बन्धित सिद्धांतों का प्रत्याभिज्ञान कर सकेंगे।

2) अवलोक्य

- (i) विद्यार्थी भाण्डों व रंगोली के बीच तुलना कर सकेंगे।
 (ii) विद्यार्थी रंगोली से सम्बन्धित तथ्यों, घटनाओं की व्याख्या कर सकेंगे।

कौशल

विद्यार्थी प्रकरण से सम्बन्धित आकृतियों को ठीक से वर्गीकृत कर सकेंगे। एवं कुशलता अर्पित कर सकेंगे।

अभिरुचि

विद्यार्थी रंगोली बनाने में रुचि ले सकेंगे।

शिक्षण सहायक सामग्री -

मॉडल, चॉक, इस्टर, श्यामपट्ट, रंग, ब्रुश, आदि कक्षाकक्ष उपयोगी उपकरण

शिक्षण विधियाँ

विकासात्मक व्याख्यान विधि, प्रदर्शन विधि आदि।

पूर्वज्ञान

विद्यार्थी रंगोली बनाने के बारे में पूर्व में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रश्नावना प्रश्न :-

क्रम संख्या	छात्रच्यापक क्रिया	छात्र क्रिया
1.	विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप कौनसा है।	एशिया
2.	हम एशिया के किस देश में रहते हैं।	भारत में
3.	भारत में कौन-कौन से त्योहार मनाए जाते हैं।	होली, दीपावली आदि।
4.	होली पर आँगन कैसे सजाया जाता है ?	रंगोली से
5.	रंगोली कैसे बनाई जाती है ?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन

बच्चों। आज हम रंगोली बनाने की कला के बारे में विस्तार से अध्ययन करेंगे। व सीखेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक कथन	छात्र क्रिया	शिक्षणविधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न :-			
रंगोली	<p>1) आँगन को सजाने के लिए क्या बनाया जाता है?</p> <p>2) रंगोली बनाने की कला कब से चली आ रही है?</p>	<p>रंगोली</p> <p>हजारों वर्षों से</p>	<p>प्रश्नोत्तरी विधि</p>	<p>रंगोली</p>
1) रंगोली बनाना सीखाना	<p><u>स्पष्टीकरण</u></p> <p>विभिन्न अवसरों व त्योहारों पर आँगन को सजाया जाता है। विशेष रूप से भारत के बरों में आज भी बरों में रंगोली प्रतिदिन बनाई जाती है।</p>	<p>छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे व समझेंगे।</p>	<p>स्पष्टीकरण विधि</p>	<p>रंगोली कैसे बनाए ?</p>
2) रंगोली बनाने की विधियाँ	<p>दो विधियाँ -</p> <p>मुक्त हस्त विधि</p> <p>1) इस विधि में किसी उपकरण का उपयोग किया जाता है न की हाथ का।</p>	<p>व्याख्यान को बच्चे ध्यान पूर्वक सुनेंगे।</p>	<p>व्याख्यान प्रदर्शन विधि</p>	<p>रंगोली बनाने की विधियाँ :-</p> <p>1) मुक्त हस्त विधि</p> <p>2) हस्त युक्त विधि।</p>

(9) हस्त युक्त विधि

इस विधि में हम हाथ द्वारा रंगों को बिखेर कर अगुलियों से रंगौली बनाते हैं।

पुनरावृत्ति प्रश्न

- है P
- (i) रंगौली किन-किन अवसरों पर बनाई जाती है ?
 - (ii) रंगौली बनाने हेतु आवश्यक उपकरण लिखो।

मूल्यांकन प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

रंगौली बनाई जाती है।

- (i) त्योहारों पर
- (ii) अवसरों पर
- (iii) दीपावली व शरद ऋतु

(2) स्टेन्सिल कैसे तैयार की जाती है ?

गृहकार्य प्रश्न

रंगौली बनाई जाती है ?

- (1) _____ में आज भी रंगौली बनाने की प्रथा
- (2) _____ प्रचलित है।

Class - 7th. 7th.
Subject - Drawing.

Date - 14-02-2022.
Duration - 35 min.
Topic - Triangles

सामान्य उद्देश्य

- 1- दैनिक जीवन में ड्राइंग में आवश्यक सामान्य नियमों से बालक को परिचित कराना
- 2- ड्राइंग के रसमस्था रसमास्थान के लिए आवश्यक गुणों तक चिंतन का बालक को विकास करना
- 3- बालक में ड्राइंग के रसमस्था के आधार पर अन्य विषयों के कई विषय बसु को समझने की योजना उपपन्न करना
- 4- बालक में जीविकाप्राप्त की क्षमता उपपन्न करना
- 5- बालक में चिंतन चिन्तन तथा तर्क शक्ति निरीक्षण एवं निर्माण करने का विकास कराना
- 6- कारों में ड्राइंग के प्रति रुचि उपपन्न करना
- 7- सुदृढ़ता शक्ति एवं शीघ्रता का निर्माण करना
- 8- ड्राइंग दृष्टिकोण के विकास गुणों को बढ़त करना
- 9- ड्राइंग के साथ अन्य विषयों का चिंतन करने / लिखना जैसे शक्ति

विशेष उद्देश्य:-

I खानालय उद्देश्य:-

- 1) दार त्रिभुज की परिमापना बना सकेगी
- 2) दार त्रिभुज के प्रकार बना सकेगी

II आध्यात्मिक उद्देश्य:-

- 1) दार त्रिभुज के क्षेत्र को समझ सकेगी
- 2) दार त्रिभुज के गुणों को समझ सकेगी

III विभाजन उद्देश्य:-

- 1) दार त्रिभुज का क्षेत्र बना सकेगी
- 2) दार त्रिभुज के प्रकारों को समझ सकेगी

सहायक सामग्री:-

चॉक, डस्टर, ब्लैक बोर्ड पर बना चित्र आदि

पूर्व ज्ञान:

दार त्रिभुज के क्षेत्र में समान्य जानकारी रखने से

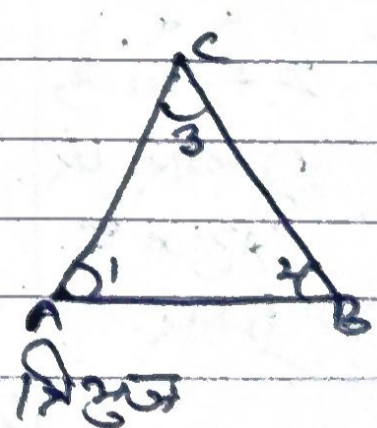
प्रस्तावना के प्रश्न :-

क्रमसंख्या	दाताध्यापक कथन	दाता क्रिया
1-	रचना करने के लिए सबसे पहले हम क्या मानते हैं	बिन्दु मानते हैं
2-	बिन्दुओं के अद्वैत द्वारा कृष्ण को बना कहते हैं	रेखा कहते हैं
3-	तीन रेखाओं से बन्द आकृति को क्या कहते हैं	त्रिभुज

उद्देश्य कथन :-

दाता जाण हम त्रिभुज के विषय में अध्ययन करेंगे

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षक/बिन्दु	दाताध्यापक क्रिया	दाता क्रिया	शुभापट्ट कथन
त्रिभुज	तीन रेखाओं से घिरे हुए क्षेत्र को त्रिभुज कहते हैं इनका योग 180° मानी इनके कोणों का योग 180° होता है तब या वह भाग ΔABC कहिये। उदाहरण: कोण क्षेत्र है तब का वह भाग जो ΔABC से घिरा नहीं है वह क्षेत्र कहलाता है।		 <p>त्रिभुज</p> <p>$1 + 2 + 3 = 180^\circ$</p>

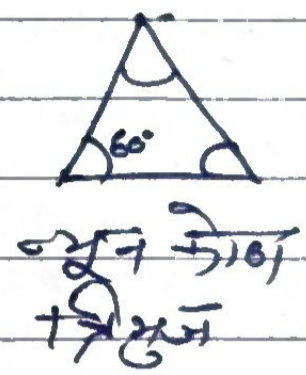
परिचय

शीर्षक	कार्य	प्रकार	समाप्त
त्रिभुज	<p>त्रिभुज में तीन कोण होते हैं। तीनों कोणों का योग $\angle A + \angle B + \angle C = 180^\circ$ होता है।</p> <p>बोध प्रश्न</p> <p>1- त्रिभुज में कितनी रेखाएँ तीन रेखाएँ होती हैं। 2- त्रिभुज में कितने कोण तीन कोण होते हैं। 3- त्रिभुज के तीनों कोणों का योग कितना होता है।</p>		
2- कोणों के आधार पर त्रिभुज के प्रकार	<p>कोणों के आधार पर त्रिभुज तीन प्रकार होते हैं।</p> <p>1- समकोण त्रिभुज 2- न्यून कोण त्रिभुज 3- अधिक कोण त्रिभुज</p>		

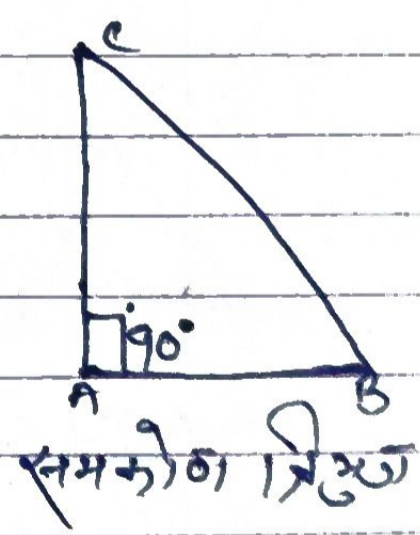
विशेष बिन्दु	दाता व्यापक त्रिभुज	दाता त्रिभुज	सामान्य त्रिभुज
--------------	---------------------	--------------	-----------------

1. न्यूनकोण त्रिभुजः -
 वह त्रिभुज जिसमें एक कोण 90° से कम हो और अन्य दो कोण 90° से अधिक हों।
 एक न्यूनकोण त्रिभुज का एक कोण 60° हो तो अन्य दो कोण 120° होंगे।
 एक न्यूनकोण त्रिभुज का एक कोण 30° हो तो अन्य दो कोण 150° होंगे।
 एक न्यूनकोण त्रिभुज का एक कोण 45° हो तो अन्य दो कोण 135° होंगे।
 एक न्यूनकोण त्रिभुज का एक कोण 120° हो तो अन्य दो कोण 30° होंगे।
 एक न्यूनकोण त्रिभुज का एक कोण 150° हो तो अन्य दो कोण 15° होंगे।
 एक न्यूनकोण त्रिभुज का एक कोण 135° हो तो अन्य दो कोण 22.5° होंगे।
 एक न्यूनकोण त्रिभुज का एक कोण 120° हो तो अन्य दो कोण 30° होंगे।
 एक न्यूनकोण त्रिभुज का एक कोण 150° हो तो अन्य दो कोण 15° होंगे।
 एक न्यूनकोण त्रिभुज का एक कोण 135° हो तो अन्य दो कोण 22.5° होंगे।

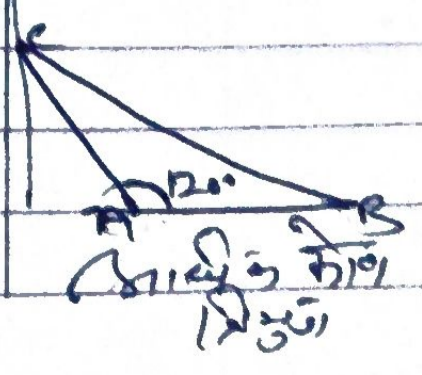
दाता व्यापक त्रिभुज
 एक न्यूनकोण त्रिभुज



2. समकोण त्रिभुजः -
 वह त्रिभुज जिसमें एक कोण 90° हो और अन्य दो कोण 45° हों।
 एक समकोण त्रिभुज का एक कोण 90° हो तो अन्य दो कोण 45° होंगे।
 एक समकोण त्रिभुज का एक कोण 45° हो तो अन्य दो कोण 135° होंगे।
 एक समकोण त्रिभुज का एक कोण 135° हो तो अन्य दो कोण 45° होंगे।



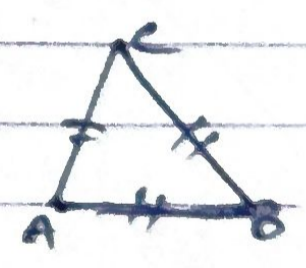
3. अधिककोण त्रिभुजः -
 वह त्रिभुज जिसमें एक कोण 90° से अधिक हो और अन्य दो कोण 90° से कम हों।
 एक अधिककोण त्रिभुज का एक कोण 120° हो तो अन्य दो कोण 30° होंगे।
 एक अधिककोण त्रिभुज का एक कोण 150° हो तो अन्य दो कोण 15° होंगे।
 एक अधिककोण त्रिभुज का एक कोण 135° हो तो अन्य दो कोण 22.5° होंगे।



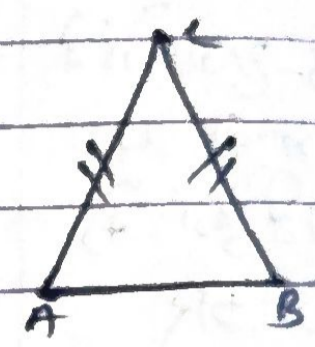
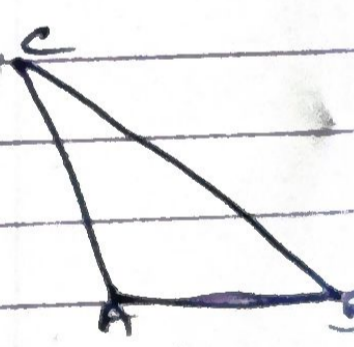
प्रस्तुतीकरण:-

शिक्षण बिन्दु	क्षेत्राध्यापक काम	क्षेत्र क्रिया	श्यामपट्ट काम
	<p>बोध पत्र 1) कोणों के आधार पर त्रिभुज कितने प्रकार की होती हैं</p>	<p>तीन प्रकार</p>	
	<p>2) त्रिभुज के कोणों के आधार पर तीनों प्रकार के नाम बताओ</p>	<p>समकोण Δ मूलकोण Δ आधिक Δ</p>	
	<p>3) जिस त्रिभुज का एक कोण 90° हो उसे क्या कहते हैं</p>	<p>समकोण त्रिभुज</p>	
	<p>4) जिस त्रिभुज के तीनों कोण मूल कोण हों उसे क्या कहते हैं</p>	<p>मूलकोण त्रिभुज</p>	
	<p>5) जिस त्रिभुज में एक कोण 90° से अधिक हो उसे क्या कहते हैं</p>	<p>आधिक कोण त्रिभुज</p>	

परिचय:-

शेष बिन्दु	दात्रा व्यापक कार्य	दात्रा विभा	समानपट्ट कार्य
<p>3-भुजाओं के आधार पर त्रिभुज के प्रकार</p>	<p>भुजाओं के आधार पर त्रिभुज तीन प्रकार का होता है</p> <ol style="list-style-type: none"> 1) समबाहु त्रिभुज 2) समद्विबाहु त्रिभुज 3) विषमबाहु त्रिभुज <p>भुजाओं के आधार पर भी त्रिभुज तीन प्रकार के होते हैं जो कि निम्न प्रकार से हैं</p>	<p>दात्रा व्यापक पूर्ण नोट करें व त्रिभुज बनाएं</p>	
	<p>1) समबाहु त्रिभुज:-</p> <p>वह त्रिभुज जिसमें तीनों भुजाएँ समान हों समबाहु त्रिभुज कहलाती है। अर्थात् सभी भुजाएँ समान बाहु भुजा जिसकी तीनों भुजाएँ समान हों वह त्रिभुज समबाहु त्रिभुज कहलाती है।</p>		<div style="text-align: center;">  <p>$AB = BC = AC$</p> <p>समबाहु त्रिभुज</p> </div>

परिचय:-

शीर्षक	द्वारा व्यापक कार्य	द्वारा किया गया	सुधामपट्ट कार्य
	<p>2) समद्विबाहु त्रिभुज:-</p> <p>सम का अर्थ है समान द्वि का अर्थ दो अर्थात् जिस त्रिभुज की दो ऊँचाई समान हो उसे समद्विबाहु त्रिभुज कहते हैं।</p>	<p>द्विभाजन पूर्व नोट में व विर बनकर</p>	 <p>$AC = BC \neq AB$ समद्विबाहु त्रिभुज</p>
	<p>3) विषमबाहु त्रिभुज:-</p> <p>विषम का अर्थ होता है असमान बाहु का अर्थ अर्थात् जिस त्रिभुज की कोई भी ऊँचाई समान न हो अर्थात् जिस त्रिभुज में तीनों ऊँचाई असमान हो वह त्रिभुज विषमबाहु त्रिभुज कहलाती है।</p>		 <p>$AB \neq BC \neq AC$ विषमबाहु त्रिभुज</p>

परस्त्रीकरण :-

श्रीमण बिन्दु	दाताध्यापक क्रिया	दात्र क्रिया	इयामपर्यट काम
---------------	-------------------	--------------	---------------

बैध पद्धत
 1) अर्जाओं के
 आधार पर त्रिभुज
 किले प्रकार की
 होती है

तीन प्रकार
 की

2) जिस त्रिभुज
 की तीनों अर्जाएँ
 समान हो उस
 त्रिभुज को ~~सम~~
 कहते हैं

समबाहु
 त्रिभुज

3) जिस त्रिभुज की
 दो अर्जाएँ समान
 हो उस त्रिभुज
 को ~~सम~~
 कहते हैं

समद्विबाहु
 त्रिभुज

4) जिस त्रिभुज
 की कोई भी अर्जा
 समान ना हो

विषम
 बाहु
 त्रिभुज

वर्षत सभी असमान
 हो उस त्रिभुज
 को ~~सम~~
 कहते हैं

पुनरावृत्ति के प्रश्न:-

- 1) त्रिभुज की परिभाषा बताओ ?
- 2) अधिक कोण त्रिभुज किसे कहते हैं ?
- 3) दुर्लभ और कोणों के आधार पर त्रिभुज के कल किसे प्रकार होते हैं ?
- 4) समकोण त्रिभुज किसे कहते हैं ?
- 5) विषमकोण त्रिभुज किसे कहते हैं ?

निरिक्षण कृति:-

दात्राध्यापक द्वारा कक्षा में धूम धूम कर यह देखेगा कि शामपट्ट पर लिखा कार्य दात्रो द्वारा किया था नही ?
 निरिक्षण किया

Class - 8th = 8th.
Subject - Drawing.

Date - 21-02-2022.
Duration - 35 min.
Topic - चतुर्भुज

सामान्य उद्देश्य

- 1- छात्र चतुर्भुज के ज्ञान का उपयोग दैनिक में कर सकेंगे
- 2- छात्र चतुर्भुज का ज्ञान प्राप्त कर इसका उपयोग उच्च अध्ययन में कर सकेंगे
- 3- स्वच्छ श्रद्धा एवं शिष्टता का निर्माण करना
- 4- छात्रों में ड्राइंग के फील्ड का रुचि उत्पन्न करना
- 5- छात्रों में चतुर्भुज का ज्ञान देकर अन्य विषय के साथ सम्बन्ध स्थापित करने के लिए विद्यार्थी को प्रोत्साहित करना जैसे वर्ग के साथ
- 6- छात्र चतुर्भुज से सम्बन्धित बातें जान सकेंगे
- 7- छात्र चतुर्भुज से सम्बन्धित प्रश्नों का हल कर सकेंगे

विशाल उद्देश्य:-

बालात्मक उद्देश्य:-

- ① छात्र चतुर्भुज का प्रतिमितीकरण कर सकेगे
- ② छात्र समान्तर चतुर्भुज का प्रकारभरण कर सकेगे

बाल्यात्मक उद्देश्य:-

- ① छात्र चतुर्भुज की व्याख्या कर सकेगे
- ② छात्र समान्तर चतुर्भुज तथा समचतुर्भुज में अंतर कर सकेगे

कार्य:-

- ① छात्र चतुर्भुज से सम्बन्धित चार्ट बना सकेगे
- ② छात्र चतुर्भुज से सम्बन्धित प्रश्नों का हल कर सकेगे

ज्ञानोपयोग:-

छात्र चतुर्भुज के ज्ञान का उपयोग दैनिक जीवन में कर सकेगे

सहायक सामग्री :-

पाठ, उत्तर श्यामपट्ट पर बना चित्र

प्रस्तावना परम



द्वारा व्यापक क्रिया	द्वारा क्रिया
1) दो बिन्दुओं को मिलाने पर क्या बनता है	रेखा
2) जब दो रेखाओं परस्पर एक बिन्दु पर मिलती हैं तो कौन सी आकृति प्राप्त होती है	कोण
3) तीन रेखाओं से घिरी आकृति को क्या कहते हैं	त्रिभुज
4) चार रेखाओं से घिरी आकृति को क्या कहते हैं	चतुर्भुज
5) चतुर्भुज का क्षेत्रफल ज्ञात करने का सूत्र	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन:-

बच्चों को आप चतुर्भुजों के क्षेत्रफलों के बारे में चतुर्भुजों की परिभाषा उनके अन्तर, उनके नियम व उनका प्रयोग करने के बारे में अभियान कराएँ

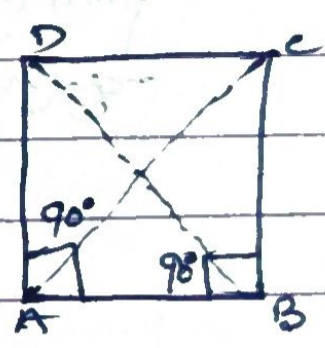
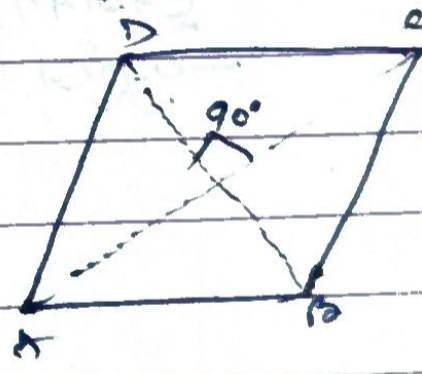
बोर्ड पर जो नियम बनाएंगे, पहले पहले उनके बारे में पहचान कराएँ

परिचय :-

शेष बिन्दु	दाता आधार त्रिभुज	दाता त्रिभुज	समानपट्टक
समान चतुर्भुज चतुर्भुज का क्षेत्रफल	D चतुर्भुज जिसे कहते हैं चतुर्भुज ABCD का क्षेत्रफल उसे दाता चतुर्भुज के क्षेत्रफल का योग	चार चतुर्भुजों से घेरी एक त्रिभुज के क्षेत्रफल के चतुर्भुज कहते हैं	
आयत	एक चतुर्भुज के आकार आकार की गुण समान हो व कोण समकोण हो उसे आयत कहते हैं। आयत के चारों कोणों का योग 360° का होता है। आयत के चतुर्भुज 90° के कोण को बना सकते हैं।	समकोण	 ABCD चतुर्भुज

$$\frac{1}{2} \times AC \times BD$$

परिचयः

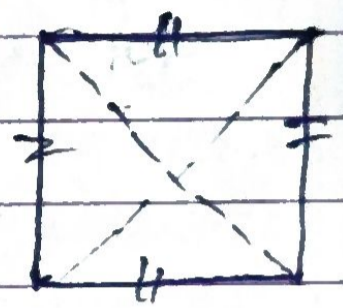
शिकण बिन्दु	दाता आधार सिमा	दाता सिमा	शुभामपट्ट कर्म
वर्ग	<p>एक समतल आकार जिसकी सभी भुजाएँ समान हैं सभी कोण 90° के हैं। आसने सामने की भुजाएँ समानान्तर हैं तथा दोनों विकर्ण समान हैं। वर्ग कहलाती है।</p>	<p>90° के कोण को समकोण कहते हैं।</p>	 <p>ABCD वर्ग — वर्ग है</p>
समचतुर्भुज	<p>एक समतल आकार जिसकी आसने सामने वाली भुजाएँ समान हैं। समानान्तर हैं परन्तु विकर्ण एक समान हैं। समचतुर्भुज कहलाती है। परन्तु इसके आसने सामने कोण समान होते हैं।</p>		 <p>समचतुर्भुज</p>
कोण वर्ग	<p>एक समतल आकार जिसकी सभी भुजाएँ समान हैं। सभी कोण समकोण हैं। वर्ग कहलाती है।</p>	वर्ग	

परिचय :-

श्रीमन् विष्णु धारा व्यापक क्रिया धारा क्रिया स्थान पर ट काम

समानान्तर
चतुर्भुज

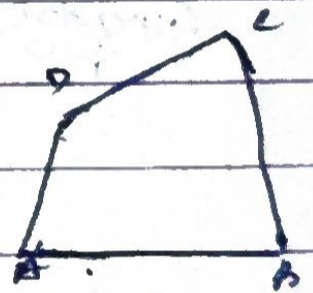
वह चतुर्भुज जिसकी
ऊपर नीचे बाएँ दाएँ
बाएँ दाएँ तथा समानान्तर
होती है समानान्तर
चतुर्भुज कहलाती है। इस
चतुर्भुज में आकार
कोण भी एक दूसरे के
बराबर होते हैं।



समानान्तर
चतुर्भुज

ट्रैपेजियम
चतुर्भुज

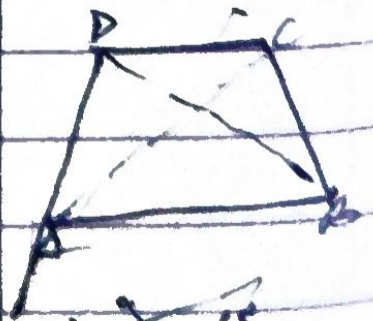
वह चतुर्भुज जिसकी
ऊपर नीचे अथवा
बाएँ दाएँ समानान्तर है लेकिन
कोई दो अथवा समान
की है नहीं है। इसे
ट्रैपेजियम चतुर्भुज कहा
जाता है।



ट्रैपेजियम
चतुर्भुज

ट्रैपेजॉइड
चतुर्भुज

वह चतुर्भुज जिसकी दो
ऊपर समानान्तर है एवं
ऊपर निचले कोण
ऊपर को समकोण
पर नहीं आता है उसे
ट्रैपेजॉइड चतुर्भुज कहते
हैं।



ट्रैपेजॉइड
चतुर्भुज

परिष्कारण :-

शिवशक्ति	दात्राध्यापक क्रिया	दात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	१) बाध्य प्रश्न जिस चतुर्भुज के आगे सागरे की उजासमान व कोण सिमकान हो उसे मया कहते हैं	श्याम चतुर्भुज	
	2) जिस चतुर्भुज के सभी कोणें समान हो वहाँ कोण सिमकान हो उसे मया कहते हैं	वर्ण चतुर्भुज	
	3) जिस चतुर्भुज के सभी कोणें समान हो उसे मया कहते हैं	वर्ण चतुर्भुज	
	4) जिस चतुर्भुज के आगे सागरे की, कोणें सिमकान सिमान्तर हो वहाँ कोण सिमकान एक उसी को सिमकान पर कहते हैं उसे मया कहते हैं	वर्ण चतुर्भुज	

पुनरावलोकन के प्रश्न:-

- (1) चतुर्भुज की परिभाषा बताओ ?
- (2) वर्ग की परिभाषा बताओ ?
- (3) आयत किसे कहते हैं ?
- (4) समानान्तर चतुर्भुज किसे कहते हैं ?
- (5) त्रैकोणम चतुर्भुज किसे कहते हैं ?

निरिक्षण कार्य:-

~~दो छात्रों को जोड़ा करके कक्षा में घूम-घूम
 भूत देखने तथा कि रथामपट्ट पर
 लिखी परिभाषा व नियम क्या
 छात्रों को जोड़ा सही से नोट किया
 या नहीं निरिक्षण किया~~

Class - 6th.

Subject - Drawing.

Date - 28-02-2022

Duration - 45 min
Topic - ड्राइंग का परिचय

सामान्य उद्देश्य :-

- 1- दैनिक जीवन में ड्राइंग के आवश्यक सामान्य निम्नो से बालक को अवगत करना
- 2- छात्र जो विषय पढ़ रहे हैं उसके बारे में पूरी जानकारी देना
- 3- बालक में ड्राइंग के समस्या के आधार पर ज्ञान विषयों के साथ सम्बन्ध बना कर किस प्रकार पढ़ सकते हैं उसके बारे में जानकारी देना
- 4- शारीरिक निरीक्षण एवं निर्णय करने का अभ्यास करवाना
- 5- ड्राइंग का प्रयोग छात्र किस प्रकार से कर सकते हैं उनके बारे में जानकारी देकर उनकी चिन्तन शक्ति का विकास करना
- 6- ड्राइंग की भाषा को सिखाना ताकि छात्रों के अभ्यास में किसी प्रकार की समस्या नहीं आए

सांविधिक उद्देश्य:-

- ① छात्रों में सामाजिक दुर्गों का विकास करना
- ② छात्रों में चित्तन शामिल का विकास करना
- ③ छात्रों में तर्कशक्ति का विकास करना

शानात्मक उद्देश्य:-

- ① छात्रों को डाइंग का परिचय विस्तारपूर्वक अध्ययन करवाना
- ② छात्रों को डाइंग की परिभाषा बता सकेंगे



बौद्धात्मक उद्देश्य:-

- ① छात्रों को अपने जीवन में डाइंग का प्रयोग करना सीखेंगे
- ② छात्रों को डाइंग की परिभाषा व डाइंग के उपकरण कैसे प्रयोग करते हैं इनके सिद्ध व इनका प्रकार का ज्ञान करवाना

परतुतीकरण:-

शीघ्र किन्दु	द्वारा व्यापक क्रिया	द्वारा क्रिया	समाप्त कर कार्य
परिचय डोंडिंग	<p>अहंकारिता को की किरीट आकारों जो पूर्वतः रेखाचित्रों आदिमें सूचनाओं तथा फलितों पर व्यापारित होती है इसकी सहायता से उसी वस्तु के काल्पनिक रूप को पूर्ण विभाजनों साथ स्पष्ट माध्यम पर दर्शाया जाता है।</p>	<p>ध्यान पूर्वक सूचना रहे है और नोट कर रहे हैं नही।</p>	
प्रकार का महत्व	<p>मौखिक:- आपके विचारों को मौखिक रूप से पहुंचाता है लिखित:- जब आपकी बातों का नियंत्रण आवश्यक दिशा निर्देश का सूचनाओं को उस तक लिखित रूप का सहारा होता है चित्र:- मनुष्य द्वारा अथ आविष्कार के स्वरूपों का माध्यम का सहारा होता है।</p>		

प्रस्तुतीकरण:-

रीक्षण बिन्दु	दात्राध्यापक क्रिया	दात्र क्रिया	शुभामपट्ट क्रिया
<p>ड्राइंग बोर्ड</p>	<p>समूह पाठन, मर या कौक की परिचयों का पूर्ण समतल मापता मर होता है मर के सिउडे या मरों नही इसके लिए यह परिचयों की बनाया जाता है इसके एक तरफ ग</p>	<p>दात्र ध्यान पूर्वक समझ रहे हैं और नोट में क्रि के लिए</p>	
<p>पाँदा Protractor</p>	<p>न्यादा का उपयोग करण मापने के लिए व बनाने के लिए किया जाता है यह पादर्शिक लोारिक या सेल्युलाइड का बना होता है शोमे 0 से 180 तक का कोण होता है इसका आकार अर्धवृत्ताकार होता है</p>		

परुतीकरण:-

शिकण बिन्दु	छात्राचार्यक क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट क्रिया
विभाजन	इसकी बनकर प्रकार की भाति होती है। अन्तर सिर्फ इतना होता है कि इसकी दोनो टांगों के सिरो पर पिन लगी होती है।		
परकार	यह दो टांगों की आकृति का बना होता है नीचे एक छरांग के पिन व इसकी टांगों के दोनोसिल लगाते हैं।	छात्र ध्यान पूर्वक समझे और नोट्स के साथ	
प्रैप वक्त	यह एक क्रिचिन्तन प्रकार की आकृति की टेम्पलेट होती है जो आनियमित आकृतिमें होता है। या इसका उपयोग करते समय विद्यार्थी या किसी अन्य उपकरणों से नहीं बनाए जा सकते बल्कि कर्वा को आसानी से बनाने के लिए करते हैं।		



परतुतीकरण:-

श्रीशिवविन्दु	घात्राध्यापक कार्य	घात्र डिजा	समापनपत्रकार्य
---------------	--------------------	------------	----------------

वृत्त मास्टर



यह भी सेल्फुलाइड या प्लास्टिक का बना हुआ पारदर्शी वृत्ताकार उपकरण होता है इस पर विभिन्न मापों के अलग-अलग वृत्त कटे होते हैं तथा विन्डरफोन की जाति 0 से 360 तक के कोणों की माप काचित होते हैं इसका उपयोग डिजाइनिंग में तेजी से काम करने के लिए किया जाता है।

घात्र व्यापक पुर्कन नोट करे लिये के साथ व अच्छी प्रकार से समझे

मिनी ड्राफ्टर

इसमें टी स्कवापर से संस्थापर चांदा व स्केल का समावेश होता है। यह दो स्थानों का बना होता है इसकी सहायता से सीधी खड़ी विरधी समानांतर लाइनें आसानी से खींच सकते हैं।

प्रश्नोत्तर :-

शिक्षण बिन्दु	द्वारा व्यापक क्रिया	द्वारा क्रिया	इसका प्रयुक्त कार्य
<p><u>पेंसिल</u></p>	<p>पेंसिल लीड को माइक तथा के कोलाइन मिश्रण से बनाई जाती है जितनी कार्बिक के कोलाइन की मात्रा होगी पेंसिल उतनी ही कठोर होगी यह कार्बेन श्रेणियों में उपलब्ध होती है (0.3, 0.5, 0.7, 0.9 mm) आस वाली लीड प्रयोग में की जाती है</p> <p><u>प्रकार</u></p> <p>① कठोर पेंसिल 9H, 8H, 7H, 6H, 5H 4H हल्की व महीन लाइन के लिए</p> <p>② मध्यम श्रेणियों :- 3H, 2H, H, HB B रिजर्ड क्रम प्रयुक्त, सरो हंड के लिए</p> <p>③ नरम श्रेणियों :- 2B, 3B, 4B, 5B, 6B, 7B, कला कार्य के लिए</p>		 Pencil.  Pencil.

पुनरोद्धार के प्रश्न:-

- ① ड्राइंग बोर्ड किस लकड़ी का बना होता है
- ② पेन्सिल में कौन सा धातु का फाँस निभाने वाला होता है
- ③ पेन्सिल कितने प्रकार होते हैं
- ④ च्यानल पर कितने प्रकार के कोण होते हैं

सूट का प्रश्न:-

एक ड्राइंग बोर्ड - चाँदा, फ्लैट वरु
ज्यादि के बिना बनाकर लाते हैं

Class - 7th.
Subject - Drawing.

Date - 07-03-2022
Duration - 35 min
Topic - समतल ज्यामिति
रचना

सामान्य उद्देश्य:-

- 1- बच्चों में सामाजिक गुणों का विकास करना
- 2- बच्चों में चिंतन व काल्पनिक शक्ति का विकास करना
- 3- छात्रों में तर्कशक्ति का विकास करना
- 4- छात्र जो पढ़ रहे हैं उसकी पूर्ण जानकारी चित्र के माध्यम से प्राप्त करवाना
- 5- शक्ति निरीक्षण व निर्वाचन करने का अभ्यास करवाना
- 6- डॉइरी की भाषा को सिखाने लाने आगे के अभ्यास में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो
- 7- बच्चों में तार्किक शक्ति का विकास करना व चित्र निरीक्षण कर सके

विशेष उद्देश्य :-

शान्तात्मक उद्देश्य :-

- 1) बच्चों में रेखा, बिन्दु के प्रकार के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सके
- 2) बच्चों में चित्र बनाने के लिए प्रकार की रेखा का प्रयोग करने चाहिए

बोधोत्प्रेरक उद्देश्य :-

- 1) बच्चों में बिन्दु, रेखा क्या है इसका बोध होगा
- 2) बच्चों में बिन्दु रेखा का उदाहरण देना

प्रथमशात्मक उद्देश्य :-

- 1) बच्चे बिन्दु व रेखा के चित्र देखकर पहचान कर सकें
- 2) बच्चे इनके चित्र बना सकें

भाषात्मक उद्देश्य :-

- 1) बच्चे शीर्षक रेखा की तरह अपने जीवन में पानी की तरह के समान शान्त रहने अपने जीवन में सिखाए कर सकें

पुरुषानुः

अथ्ये विन्दु व रेखा के बारे में
कुछ जान सकते हैं

उद्देश्यकथन:-

अथ्यो काज हम रेखा विन्दु के
बारे में पढ़ेंगे इनके काय बहुत
कुछ सिख सकते हैं

सामग्री सामग्री :-

चॉक, डायर, ब्लॉक पेंसिल
लकड़ी

प्रस्तावना

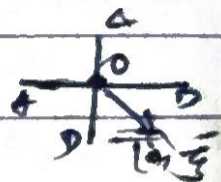
दायाँ व्यापक क्रिया	बायाँ क्रिया
① हमारे पास पारन की परसु भंगान की विचार हिन पकार की होती है	→ उद्योग रेखा शक्ति का प्रयोग
एक डायर को काट सकते हैं	विन्दु

पहली कक्षा :-

विशेष बिन्दु दायाँ व्यापक क्रिया दायाँ क्रिया श्यामपट्ट

समतल उभारित
रेखा

बिन्दु :-
एक दोष बिन्दु
जिसकी कोई ला-डाई
या चॉ-डाई न हो उसे
बिन्दु कहते हैं दो
सरल रेखाओं का
मिलान जहाँ संगम
की बिन्दु कहलाती है



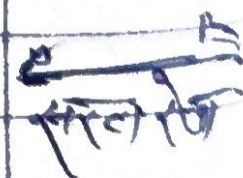
रेखा

जब दो बिन्दुओं की किसी
समतल - पर शक्ति
करता है तो उसकी
शक्ति से बनने वाले
बिन्दु पर की रेखा
कहते हैं जिसके प्रकार
निम्न हैं


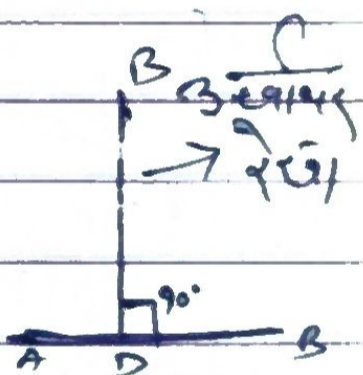
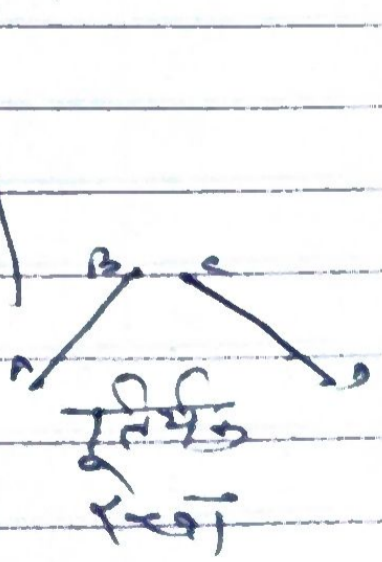
दायाँ
ध्यानपूर्वक
समझे व
विशेष साहित्य
नोट बुक
में उल्लेख

1) सरल रेखा :-

जब कोई
बिन्दु किसी समतल
पर एक दिशा में शक्ति
करता है तो उसकी
शक्ति से बनने वाले
बिन्दु पर की सरल रेखा
कहते हैं



प्रस्तुतिकरण:-

विक्षण बिन्दु	दात्राध्यापक क्रिया	दात्रा क्रिया	स्थामपट्ट क्रिया
	<p>② क्षैतिज रेखा:- क्षैतिज काल्पनिक रेखा की समान्तर रेखा या पात्र के सतह के समान रेखा को क्षैतिज रेखा कहते हैं।</p>	<p>दात्र ध्यानपूर्वक समझे व नियंत्र साहित नौर छुके में उतार</p>	<p>कउठर पात्र की सतह की समानान्तर A ————— B  क्षैतिज रेखा</p>
	<p>③ उर्ध्वाधर रेखा:- क्षैतिज रेखा के लम्बत रेखा को उर्ध्वाधर रेखा कहते हैं।</p>		<p></p>
	<p>④ तिर्यक रेखा:- कह सीधी रेखा जो न तो क्षैतिज रेखा हो और न ही उर्ध्वाधर हो जहाँत जो तिरधी हो कह तिर्यक रेखा कहते हैं।</p>		<p></p>

पुनराश्चित्-पश्नुः:-

- ① विन्दु तिस्रे कहलै छै?
- ② रेखा तिस्रे कहलै छै?
- ③ क्षैतिज रेखा तिस्रे कहलै छै?
- ④ तिर्यक रेखा तिस्रे कहलै छै?

शूट कार्य:-

रेखा व रेखा के प्रकार पर
विस्तृत मोट लिखो।

Class 6th.
Subject - Drawing

Date - 14-03-2022
Duration - 45
Topic - कोण व कोण के प्रकार

सामान्य उद्देश्य :-

- 1- छात्रों में सामान्य सामाजिक शक्तों का विकास करना
- 2- छात्रों में कल्पनाशक्ति का विकास करना
- 3- छात्रों में निरन्तर शक्ति का विकास करना
- 4- छात्रों में तर्कशक्ति का विकास करना
- 5- स्वच्छ सुधता एवं शीघ्रता का निर्माण करना
- 6- छात्रों को वे सामान्य प्रश्नों को हल कर सके

विशेष उद्देश्य:-

ज्ञानात्मक उद्देश्य:-

- ① धातों को कोनों का ज्ञान कराना
- ② धातों को कोनों के प्रकार से चिन्तन समझाना

बोधात्मक उद्देश्य:-

- ① धातों को कोनों प्रकार व उनकी परिभाषा का बोध्य कराना
- ② धातों को कोनों की पहचान का बोध्य कराना

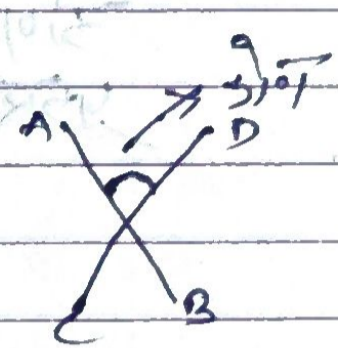
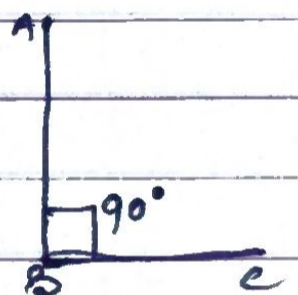
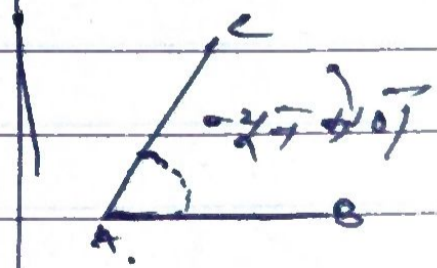
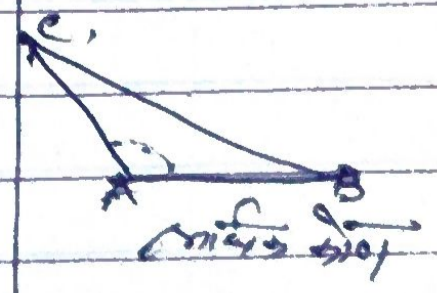
प्रयोगात्मक:-

- ① धातु चित्र देकर पहचानू कर सके कि किस प्रकार का कोण है
- ② धातु कोणों का प्रयोग कर सके

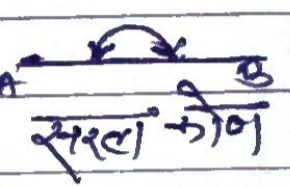
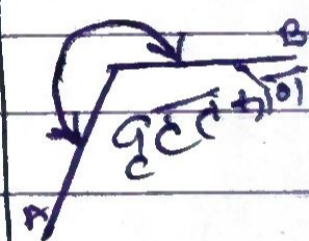
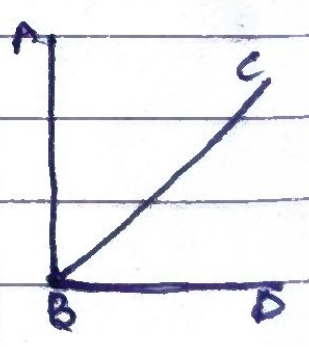
सूक्ष्म उद्देश्य:- धातु कोणों के अर्थ में कुछ जानकारी रखते हैं।

सहायक सामग्री:- चार उद्देश्य, बोर्ड, न्याटि मॉडल आदि

परिचयः -

शिक्षण बिन्दु	कारण आधारित क्रिया	कारण क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
<p>कोण</p> 	<p>दो रेखाओं के परस्पर मिलने से बनी स्थिति को कोण कहलाती है कोण को दो अंशों, मिनट अथवा सेकण्ड में मापते है कोणों के प्रकार निम्न है</p> <p>① समकोण :- जिस कोण का माप 90° होता है वह समकोण कहलाता है</p>  <p>② न्यून कोण :- जो कोण 90° से कम का होता है वह न्यूनकोण कहते है</p>  <p>③ व्यापक कोण :- जो कोण 90° से व्यापक पर 180° से कम के माप के कोण को व्यापक कोण कहते है</p> 	<p>कारण ध्यान पूर्वक समझेंगे व सुनेंगे और नोट करेंगे</p>	<p>श्यामपट्ट कार्य</p>

प्रकार/कारण:-

शीर्षक/बिन्दु	व्याख्यापन/सिद्धांत	दाता/सिद्धांत	समाप्त/प्रकार
कोण के प्रकार	<p>④ सरल कोण:- 180° का अंश के कोण को सरल कोण कहते हैं।</p> <p>⑤ घटत कोण:- 180° अंश से अधिक परन्तु 360° से कम मान के कोण को घटत कोण कहते हैं।</p> <p>⑥ संपूर्यमान कोण:- जब दो संपूर्यमान कोणों का योग 90° हो जैसे $\angle ABC$ & $\angle CBD = 90^\circ$ हो तो $\angle ABC$ तथा $\angle CBD$ एक दूसरे के संपूर्यमान कोण कहते हैं। जब दो संपूर्यमान कोणों का योग 180° हो तो वे कोण एक दूसरे के Complementary Angle कहलाएंगे।</p>	<p>घात/अपान, पूर्ण/सम/अंश/व/विशेष/सहित/नोट/अंश/...</p>	<p>सरल कोण</p>  <p>घटत कोण</p>  <p>संपूर्यमान कोण</p>  <p>$\angle ABC + \angle CBD$ संपूर्यमान कोण</p>

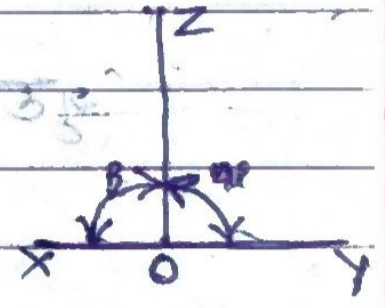
परिभाषा

श्रीरंग बिन्दु	समापन क्रिया	घात क्रिया	समापन कार्य
----------------	--------------	------------	-------------

① सप्लीमेंट्री कोण:-

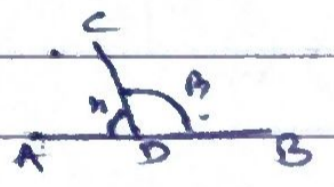
जब दो समापवर्ती कोणों का योग 180° (जैसे $\angle x + \angle y$) हो तो दोनों कोण एक दूसरे के सप्लीमेंट्री कोण कहलाते हैं।

घात स्थान पर एक समापवर्ती कोण व स्थिति साहित्य नोट करें।



② समापवर्ती कोण:-

रुकी रेखा के दो तरफ बने कोण समापवर्ती कोण कहलाते हैं।



बोध प्रश्न

- ① समरत्न कोण कितने 180° के कोण कहते हैं
- ② आन्विक कोण कितने 90° के कोण से आन्विक कहते हैं
- ③ न्यून कोण कितने 90° से कम के कोण को कहते हैं

पुनरावृत्ति प्रश्न:-

- ① वृहत् कोण त्रिभुज कहते हैं
- ② अधिक कोण त्रिभुज कहते हैं
- ③ समकोण त्रिभुज कहते हैं
- ④ सखीभेदी कोण त्रिभुज कहते हैं

शुद्ध कार्य:-

एक कोण त्रिभुज का एक कोण 90° है तो शेष दो कोणों का योग क्या होगा?

हल: एक कोण त्रिभुज का एक कोण 90° है तो शेष दो कोणों का योग 180° - 90° = 90° होगा।



एक त्रिभुज का एक कोण 90° है तो शेष दो कोणों का योग क्या होगा? (1)

हल: एक त्रिभुज का एक कोण 90° है तो शेष दो कोणों का योग 180° - 90° = 90° होगा। (2)

एक त्रिभुज का एक कोण 90° है तो शेष दो कोणों का योग क्या होगा? (3)

हल: एक त्रिभुज का एक कोण 90° है तो शेष दो कोणों का योग 180° - 90° = 90° होगा। (4)

Class 8th.

Date - 22-08-2022.

Subject - Drawing.

Duration - 45 min.

Topic अक्षुब्ध

सामान्य उद्देश्य:-

- 1- छात्रों में सामान्य सामाजिक व्यवहार का विकास करना
- 2- छात्रों में काल्पनिक शक्ति का विकास करना
- 3- छात्रों में चित्रण शक्ति का विकास करना
- 4- छात्रों में तर्कशक्ति का विकास करना
- 5- स्तंभों, छतों एवं शिथिलता का निर्माण करना
- 6- छात्रों में अक्षुब्ध की समझ होना चाहिए
- 7- अक्षुब्ध की भाषा को सिखाना ताकि वे जीवन में सही से उपयोग कर सकें

सहायक सामग्री:-

उत्तर, याँक, श्यामपट्ट, सामोतिक, म्वाँट आदि

विशेष उद्देश्य:-

जीनात्मक उद्देश्य:-

- ① छात्र बहुभुज से ज्ञान प्राप्त कर सकेगा
- ② छात्र बहुभुज से कुछ सीख लेंगे

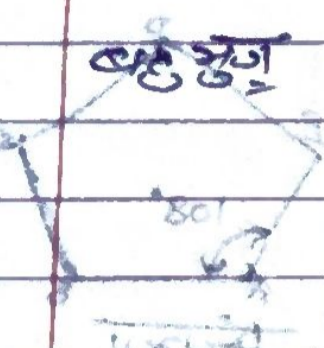
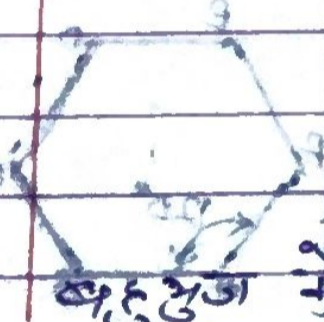
बोधात्मक उद्देश्य:-

- ① अक्षयों को बहुभुज व बहुभुज के प्रकार को बोध होगा
- ② अक्षयों को बहुभुज के कोण निकालने से अभ्यस्त कराना

पुनरात्म:-

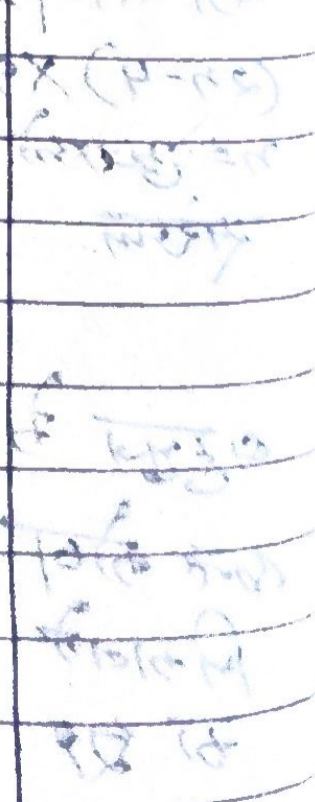
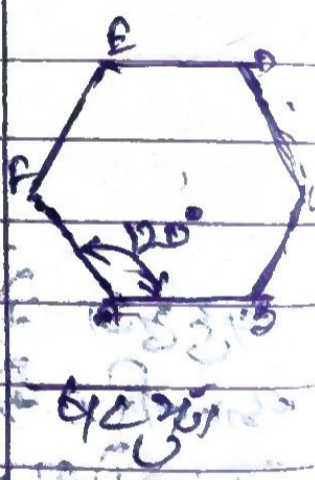
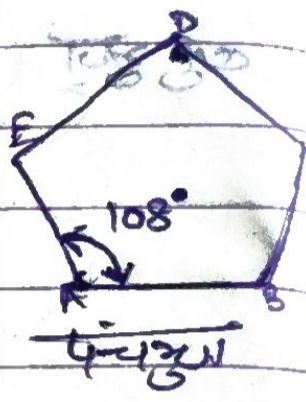
छात्र बहुभुज इसके प्रकार व कोण के बारे में जानकारी रखते हैं।

प्रस्तुतीकरण :-

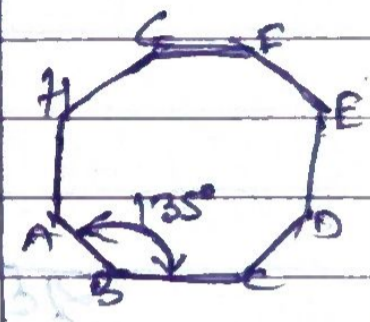
आंतरिक कोण बिन्दु	द्वि-आयतापन विधि	द्वि-विधि	श्यामपट्ट कार्य
 <p>अष्टभुज के आन्तरिक कोणों का योग = $(2n-4) \times 90^\circ$ $(2 \times 5 - 4) \times 90^\circ$ $6 \times 90^\circ = 540^\circ$</p>	<p>पांच या पांच से अधिक सीधी रेखाओं से घिरी समतल आकार को अष्टभुज कहते हैं जिनमें सभी भुजाएँ तथा सम्मिलित कोण समान हों उसे निम्नलिखित अष्टभुज कहते हैं।</p>	<p>द्वि-विधि द्वारा स्थान पूर्वक समझने में आसानी होगी।</p>	<p>जैसे $(2n-4) \times 90^\circ$ $(2 \times 5 - 4) \times 90^\circ$ अन्तः कोणों का योग = 540° होगा।</p>
 <p>अष्टभुज के अन्तः कोण निकालने का सूत्र</p>	<p>जैसे पंचभुज $(2n-4) \times 90^\circ$ $(2 \times 5 - 4) \times 90^\circ$ $6 \times 90^\circ = 540^\circ$</p>	<p>जैसे $(2n-4) \times 90^\circ$ $(2 \times 5 - 4) \times 90^\circ$ $6 \times 90^\circ = 540^\circ$</p>	<p>अन्तः कोण $(2n-4) \times 90^\circ$ $540^\circ - 108^\circ$ 432° होगा।</p>

परिचय

विषय	पंचभुज	षट्भुज	सप्तभुज
आकार	इस आकार में अन्दर के सभी कोण 108° के होते हैं तथा सभी पांच भुजाएँ समान होती हैं।	इस आकार में अन्दर के सभी कोण 120° के होते हैं तथा सभी छः भुजाएँ समान होती हैं।	इस आकार में अन्दर के सभी कोण 128° के होते हैं तथा सभी सात भुजाएँ समान होती हैं।
भुजाएँ	5	6	7
कोण	108°	120°	128°
सममिति	5	6	7



12
परिचय :-

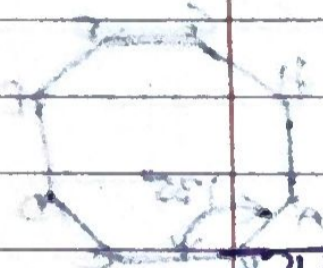
विशेष बिन्दु	द्वारा व्यापक किया	द्वारा किया	समाप्त कार्य
केंद्रबुज	इस आकृति में केंद्र के सभी कोण 135° के होते हैं तथा सभी कोण अंगुल समान होती हैं		
बहुभुज के गुण	<ol style="list-style-type: none"> 1) बहुभुज के आन्तरिक कोणों का योग $(2n-4) \times 90^\circ$ 2) नियमित बहुभुज के कोने इत पर स्थित होते हैं 3) नियमित बहुभुज की अंगुल केंद्र बनाने पर वह त्रिभुज से स्पर्शीय 4) बहुभुज के बाह्य कोणों का योग 360° होगा 5) बहुभुज के आन्तरिक कोण एवं उनके समीपवर्ती बाह्य कोणों का योग 180° होगा 	<p>द्वारा स्थान पूर्वक समझेंगे व समझेंगे</p> <p>द्वारा नियमित नोट करेंगे</p>	

पुनरावृत्ति प्रश्न

1) बहुभुज के आन्तरिक कोणों का माप कितने का होता है एवं सहित

2) षट्भुज के आन्तरिक कोण कितने के होते हैं ?

3) षट्भुज कितने में कटे लेंगे ?



चूँकि

बहुभुज पर आन्तरिक कोणों का माप

बहुभुज के आन्तरिक कोणों का माप (n-2) × 180° होता है।

जहाँ n बहुभुज की भुजाओं की संख्या है।

इसलिए षट्भुज के आन्तरिक कोणों का माप

(6-2) × 180° = 4 × 180° = 720° होता है।

अतः षट्भुज के आन्तरिक कोणों का माप 720° होता है।

इस प्रकार षट्भुज को 4 भागों में काटे जा सकता है।

Class - 6th.

Date - 04-04-2022

Subject - Drawing.

Duration - 45 min.

Topic - इत

सामान्य उद्देश्य:

1- बच्चों में सामान्य सामाजिक गुणों का विकास करना

2- छात्रों में काल्पनिक शक्ति का विकास करना

3- बच्चों में चित्रण शक्ति का विकास करना

4- छात्रों में तर्कशक्ति का विकास करना

5- छात्रों में समस्या का समाधान करने करने की शक्ति का विकास करना

6- बच्चों में सामान्य ज्ञान का विकास करना

विशेष उद्देश्य:-

आनात्मक उद्देश्य:-

- 1 छात्रों को हल के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान करना।
- 2 छात्रों को हल के बारे में विस्तार से ज्ञान प्रदान करना।

बाधात्मक उद्देश्य:-

- 1 छात्रों को हल का बोझ होगा।
- 2 हल के बारे में बच्चों में उच्च स्तर का ज्ञान उत्पन्न होगा।

प्रयोगात्मक उद्देश्य:-

- 1 बच्चों को हल का पूर्ण ज्ञान करवाना जिससे वह हल का न्याय बना सकें।
- 2 बच्चों में अभिमान का प्रयोग करें।

पूर्वज्ञान परीक्षण:-

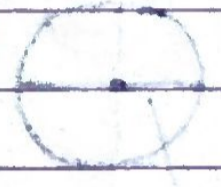
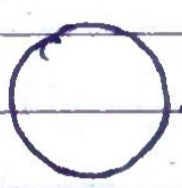

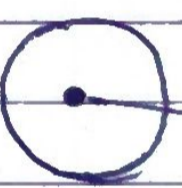


छात्र हल के बारे में कुछ जानकारी रखते हैं।

सहायक सामग्री:-

ज्वॉल, डस्टर, चाद, सांझा, श्याम, कागद

परतली कणः

परतली कणः

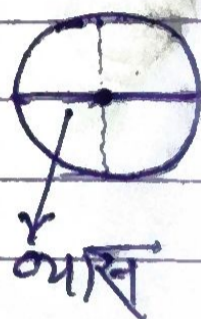
परतली कणः	दात्रा व्यापक क्रिया	दात्र क्रिया	इभामपेट काम
<p>वृत्त किसे कहते हैं</p> <p>भाग</p> 	<p>ऐसा गतिशील बिन्दु जो एक स्थिर बिन्दु जिसे केन्द्र कहते हैं समदूरी समान दूरी पर रहता है वृत्त की की रचना करता है</p>		 <p>वृत्त</p>
	<p>केन्द्र! - जिस स्थिर बिन्दु के चारों ओर एक-चला बिन्दु एक नियत दूरी बनाये रहते हुए गति करता है उसे वृत्त का केन्द्र कहते हैं</p>	<p>दात्र ध्यान पूर्वक समझो व बुनेने और नोट करने विधि के साथ</p>	 <p>केन्द्र बिन्दु</p>
	<p>(2) त्रिज्या! - वृत्त के केन्द्र से उसकी परिधि पर स्थित चला बिन्दु की दूरी को त्रिज्या कहते हैं</p>		 <p>त्रिज्या</p>

परस्पर कर्णः -

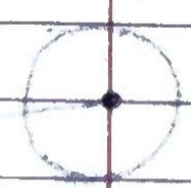
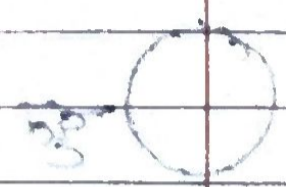
श्रीगणेशाय नमः
 शीघ्र विन्दु द्वात्रिधापक विधा द्वात्रिधा शिवायपटका

⑧ व्यासः -
 वृत्त के केंद्र से होकर गुजरने वाली सरल रेखा जो उसकी परिधि से दोनो ओर से छूए उसे व्यास कहते व्यास वृत्त को दो समान भागों में बाकाठे व त्रिधा का कुणी होती है

द्वात्रिधा ध्यान पूर्वक सुनेगे समझेगे व नोट करेंगे फिर के साथ



⑨ परिधिः -
 वृत्त के केंद्र से नियत दूरी बनाए रखते हुए चल बिन्दु के पूर्ण बिन्दु पथ को वृत्त की परिधि कहते अर्थात् वृत्त के केंद्र वरिपरि दूरी पर जो चाप सिंचा जाती है वह परिधि कहवाती है



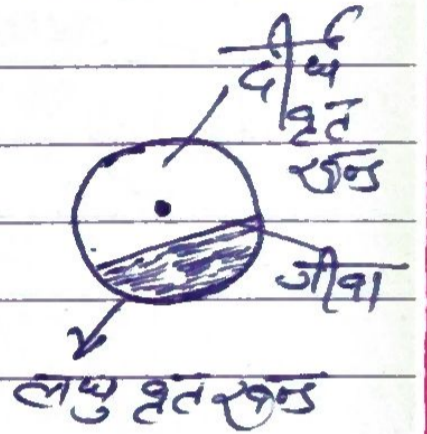
परवृत्तीकरण :-

परवृत्तीकरण :-

संश्लेषण बिन्दु द्वारा व्यापक क्रिया द्वारा क्रिया अभावकृत कार्य

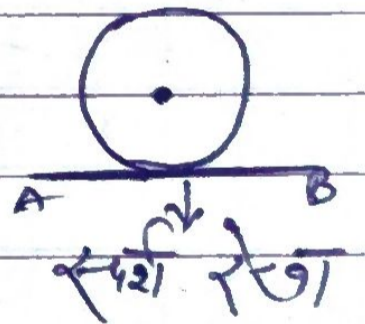
5 जीवा -

वह सरल रेखा जो वृत्त के केन्द्र से न होकर परिधि को दोनों ओर से छूए उसे जीवा कहते हैं। जीवा वृत्त को दो असमान भागों में बाटती हैं। छोटे भाग को लघु वृत्तखण्ड बड़े भाग को दीर्घ वृत्तखण्ड कहते हैं।



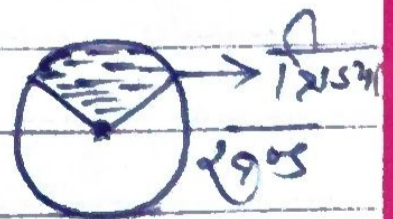
6 स्पर्श रेखा :-

वृत्त की परिधि को केवल एक बिन्दु पर स्पर्श करने वाली सरल रेखा को स्पर्श रेखा कहते हैं।



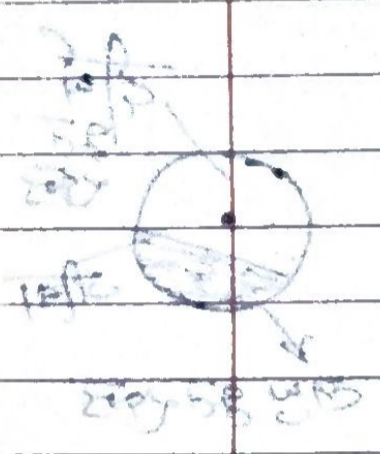
7 त्रिज्याखण्ड :-

किसी चाप से धिरे हुए क्षेत्र को त्रिज्याखण्ड कहते हैं।



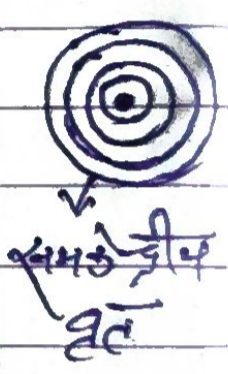
प्रस्तुतीकरण :-

विद्युत् आवेश विन्दु	दायाँ धनापक चिह्न	दायाँ चिह्न विद्युत् आवेश
----------------------	-------------------	---------------------------



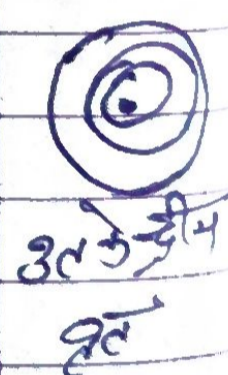
⑧ समकेंद्रीय प्लेट :-
 दो प्लेटों का केन्द्र बिन्दु एक ही हो तो वे समकेंद्रीय प्लेट कहलाते हैं।
 उदाहरण :- बॉल बिजली

⑧ दायाँ धनापक चिह्न समकेंद्रीय प्लेट का चिह्न है।
 समकेंद्रीय प्लेट का चिह्न



⑨ अलकेंद्रीय प्लेट :-
 की परिसर में ही बूना प्रसार प्लेट परिसर केन्द्र बिन्दु प्लेट से अलग हो अलकेंद्रीय प्लेट कहलाता है।
 अर्थ प्रश्न :-

⑨ अलकेंद्रीय प्लेट का चिह्न



① धारा चिह्न का अर्थ

① धारा चिह्न का अर्थ

② चिह्न का अर्थ

② चिह्न का अर्थ



③ चिह्न का अर्थ

पुनरावृत्ति प्रश्नः-

विद्यया जिसे कहते हैं ?
व्यास जिसे कहते हैं ?
जीवा जिसे कहते हैं ?
स्पर्श रेखा जिसे कहते हैं ?
समकेन्द्रित वृत्त जिसे कहते हैं ?

- ① विद्यया जिसे कहते हैं ?
- ② व्यास जिसे कहते हैं ?
- ③ जीवा जिसे कहते हैं ?
- ④ स्पर्श रेखा जिसे कहते हैं ?
- ⑤ समकेन्द्रित वृत्त जिसे कहते हैं ?

शुद्ध कार्यः-

एक परिक्रमण को दो लिखो ।

एक वृत्त का व्यास दो लिखो ।

एक वृत्त की परिधि दो लिखो ।

एक वृत्त की त्रिज्या दो लिखो ।

एक वृत्त की त्रिज्या दो लिखो ।

एक वृत्त की त्रिज्या दो लिखो ।

Class - 6th
Subject - Drawing.

Date - 06-05-2022

Duration - 45 min

Topic - सूचना कोलाज
से कोलाज बनाना

सामान्य उद्देश्य:-

- 1- विद्यार्थी कोलाज बनाने की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे
- 2- विद्यार्थी कोलाज बनाने की प्रक्रिया का प्रयोग कर सकेंगे
- 3- ~~बच्चों में सामाजिक गुणों का विकास करना~~
- 4- ~~बच्चों में चिन्तन शक्ति का विकास करना~~
- 5- ~~बच्चों में तार्किक शक्ति का विकास करना~~
- 6- ~~बच्चों में काल्पनिक शक्ति का विकास करना~~

विशाल उद्देश्य:-

शान्तात्मक उद्देश्य:-

1) बच्चों को नैतिक शिक्षा की सहायता से कोलाज निर्माण करने का क्षमता प्रदान करना

2) बच्चों को कोलाज के माध्यम से अपने सर्जनशीलता को विकसित करना

3) बच्चों को कोलाज के माध्यम से अपने घर में राज सजा कर सज्जे

सहाय्यात्मक उद्देश्य:-

1) कोलाज सजा होता है इसे धार में कुछ खान होना

2) बच्चों में साज सजा का विकास होना

प्रयोगात्मक उद्देश्य:-

1) कोलाज का प्रयोग करके बच्चे अपने सजा सजा को सुन्दर बना सकते हैं

प्रति फलितः

धार्मिक कोलाज के धार में कुछ पानकारी रखने से

सहायक सामग्री:

उत्पत्ति, लोफ्ट, कलर, न्यूट्रल, चार्लस, संकेतक
आन्ध्र कलर, कलर, रीशिंग में उपयोग सहायक सामग्री

प्रसूतीकरण:-

शिक्षण विन्दु	कार्यवाही	कार्यवाही	श्यामपट्टक
रेखाचित्र बनाना	कार्यवाही कक्षा में चित्र दिखाने पर विकासक्रम प्रश्न (2) कागज पर यह आकृतियों को से बनाई जायगी ? (3) बिना पेन कार पेंसिल का इस्तेमाल किए कागज के टुकड़ों को जोड़कर उसे आकृति बनाई जायगी ?		रेखाचित्र चित्र बनाते हैं उत्तर पेंसिल से
पेन कार लेने का रंगीन कोलाज	(4) इन आकृतियों को बनाने के लिए हम रंगीन कागज लेंगे पेंसिल की सहायता पेन की आकृति को बनाकर उन्हें की सहायता से काटा होता है उसके बाद पीले या लाल रंग के कागज से छोटे टुकड़े काटकर उसके से ऊपर चिपकाए जायेंगे जिससे यह फूलों की		

परतुलीकरण:-

शिक्षण बिन्दु	घातकधातु किमा	घातक किमा	श्यामपट्ट कार्य
	<p>तरह प्रदर्शित हो सके जब अक्षर तैयार करते हैं उसमें वास्तविकता की अलोक दिखनी चाहिए</p>	<p>घातक ध्यान प्रकृत रंगों का ध्यान</p>	<p>पेड़ों का प्राकृतिक रंग कैसा होता है</p>
	<p>कोर (सुन्दर बनाने के लिए) इसमें फूलों-झालों-रंगों के कुल सकारक सजा सकते हैं</p>	<p>प्रकृत रंगों का ध्यान प्राकृतिक रंगों नोट करें</p>	<p>तेरे से किस रंगों के कागज से बनाना चाहिए</p>
	<p>पेड़ों का प्राकृतिक रंग टरा होता है तेरे के ऊपरी भागों को टरे रंग से प्रदर्शित किमा जाना चाहिए जिसमें पत्तियों की है और पेड़ का तन्मय रंग रंग का होता है इसलिए उसे रंगों के कागज से दिखाना चाहिए</p>		<p>फूलों के लिए किस रंग के कागज की आवश्यकता होती है</p>

पुनरावृत्ति प्रश्न:-

- ① कोलाज किस कहते हैं
- ② कोलाज बनाने के लिए किन किन व्यंजनों की आवश्यकता होती है
- ③ कोलाज किस किस प्रकार से बनाए जाते हैं

शुद्धी का प्रश्न:-

- ① कौशल की सहायता से कपड़े पर कोलाज बनाना क्या है ?
- ② ऊपरी की दाई दाई छलनों की सहायता से एक एक कोलाज बनाना क्या है ?

कोलाज का अर्थ
 कोलाज बनाने के लिए
 कपड़े के टुकड़े का प्रयोग
 किया जाता है।

कोलाज बनाने के लिए
 कपड़े के टुकड़े का प्रयोग
 किया जाता है।
 कोलाज बनाने के लिए
 कपड़े के टुकड़े का प्रयोग
 किया जाता है।

Class- 8th.

Date - 18-05-2022.

Subject - Drawing.

Duration - 45 mins

Topic - पैमाना

सामान्य उद्देश्य:-

1- बच्चों में सामाजिक गुणों का विकास करना

2- छात्रों में काल्पनिक शक्ति का विकास करना

3- छात्रों में तर्क शक्ति का विकास करना

4- छात्रों में चिन्तन शक्ति का विकास करना

5- बच्चों के पैमाना के बनाने की विधि की जानकारी प्राप्त कर सकें

6- पैमाना का ज्ञान प्राप्त कर बच्चे अपने जीवन में उपयोग कर सकें

विशेष उद्देश्य

शान्तात्मक उद्देश्य:-

- ① बच्चों को पैमाना का ज्ञान प्राप्त करवाना
- ② पैमाना की सहायता से या माध्यम से बच्चों में सुव्यवस्थित जीवनशैली को विकसित करना

बोधोत्प्रेरक उद्देश्य:-

- ① बच्चों में इस बात का ज्ञान होना कि पैमाना क्या है
- ② बच्चों को पैमाना के माध्यम से नाप लेना का ज्ञान होना

प्रयोगात्मक उद्देश्य:-

- ① बच्चों को पैमाने का प्रयोग करके ड्राइंग व लिखित लिखन के इलाके में सम्बन्धित गणनाओं को बच्चों को प्रसारित कर सकेगे

पूरा परीक्षण ज्ञान:-

बच्चों को पैमाना के बारे में कुछ जानकारी रखते हैं

सहायक सामग्री:-

उपलब्ध, चॉक, रूपांशुपट्ट, चार पैमानों के काँडे, सांकेतिक चिह्न

प्रतिक्रिया :-

विलेय पदार्थ की मात्रा विलेयक की मात्रा के अनुपात में

की इसी तरह उसके
 मुख्य वास्तविक
 इसी के अनुपात को
 पैमाना कहते हैं
 सारणी पैमाना

बचने ध्यान
 पूर्ण करने
 समझने के
 ध्यान नोट

पैमाना की
 सारणी

1	विलेयक की मात्रा	1:2	1:5	1:10
		1:20	1:50	1:100
		1:200	1:500	1:1000
		1:2000	1:5000	1:10000
2	विलेयक की मात्रा	50:1	20:1	10:1
	पैमाना	5:1	2:1	—
3	पूर्ण पैमाना	—	—	1:1

डोईंग पर वस्तु के
 (मात्रा तथा वस्तु
 के वास्तविक धाकार
 के अनुपात को
 निकाला गिना कहते
 हैं)

परिचय

शीर्षक	विषय	कारण	शुद्धि
	<p>इसे ड्राइंग पर निकाशित मिनि भाग (R.F.) द्वारा प्रदर्शित करते हैं कभी को व्यापार मानक मानने की सचना की जाली है</p> <p>निकाशित मिनि (R.F.) का ड्राइंग पर परसु की नाप वस्तु की वास्तविक नाप</p>	<p>कारण ध्यान, पूर्व (सूत्रों) समझेंगे व कल्पना नोट एक में नोट करें</p>	
<p>मानों का प्रयोग</p>	<p>जैसे 10 cm की ड्राइंग 500m का प्रदर्शित करती है तब</p> <p>अपने 10 सेमी. ड्राइंग एक किलोमीटर का प्रदर्शित किया जाता है तब :-</p>		<p>$R.F = \frac{10}{500 \times 100}$</p> <p>$500m = 500 \times 100cm$</p> <p>$\frac{1}{5000}$ या 1:5000</p> <hr/> <p>$R.F = \frac{10}{1000 \times 100}$</p> <p>$\frac{1}{10000}$ या 1:10000</p> <p>अर्थात् 10m ड्राइंग 10000 की प्रदर्शित है तब R.F = 1/10000</p>

